वर्ष-17 अंक-99 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, बुधवार 12 अप्रैल 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

कृषक प्रशिक्षण में मोटे अनाजों की खेती पर दिया गया बल

➲वितरित किए रागी फसल के बीज

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा गांव रायपुर में किसानों को एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण में श्रीअन्न (मोटे अनाजों) की उत्पादन तकनीकी की बारीकियों को बताया गया। इस अवसर पर केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कृषकों को बताया कि देश में पैदा की जाने वाली मुख्य मिलेट्स फसलों में ज्वार,बाजरा और रागी का स्थान आता है।जबकि छोटी मिलेट्स फसलों में कोदों,कुटकी,सावां आदि की खेती की जाती है। उन्होंने किसानों को बताया कि जलवायु परिवर्तन के दृष्टिगत यह फसलें अत्यंत उपयोगी हो गई है। जो कि सूखा सहनशील,अधिक तापमान, कम पानी की दशा में तथा कम उपजाऊ जमीन में भी आसानी से पैदा कर इनसे अच्छा उत्पादन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसानों का रुझान मोटे अनाजों के उत्पादन की तरफ हो रहा है। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ एके सिंह ने कृषकों को बताया कि मोटे अनाजों में अन्य फसलों की अपेक्षा कीट एवं रोग कम लगते हैं जिससे फसल लागत कम आती है।और किसानों को अच्छा मुनाफा होता है उन्होंने बताया कि मानव स्वास्थ्य की दृष्टि से मोटे अनाज काफी लाभकारी हैं इसीलिए इन्हें सुपरफूड कहा जाता है उन्होंने कहा कि मोटे अनाजों को दैनिक आहार में प्रयोग करने से मधुमेह,रक्तचाप एवं गुर्दे की समस्याओं से छुटकारा मिलता है।इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने मिलेट्स के मूल्य संवर्धन विषय पर विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर किसानों को रबी फसल के बीजों के किट वितरित किए गए।इस अवसर पर डॉ शशिकांत, डॉ राजेश राय, कृषि विभाग के बीज गोदाम इंचार्ज श्री दीपक जी सहित प्रगतिशील किसान चरण सिंह, चुन्ना सिंह राजू राजपूत एवं माया देवी सहित आसपास क्षेत्र के 1 सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

100, लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, बुधवार, 12 अप्रैल, 2023 पृष्ठ: 8

कृषक प्रशिक्षण में मोटे अनाजों (मिलेट्स) की खेती पर दिया गया बल, वितरित किए रागी फसल के बीज

(अनवर अशरफ) कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा गांव रायपुर में किसानों को एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण में श्रीअन्न (मोटे अनाजों) की उत्पादन तकनीकी की बारीकियों को बताया गया। इस अवसर पर केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कृषकों को बताया कि देश में पैदा की जाने वाली मुख्य मिलेट्स फसलों में ज्वार,बाजरा और रागी का स्थान आता है।जबकि छोटी मिलेट्स फसलों में कोदों,कुटकी,सावां आदि की खेती की जाती है। उन्होंने किसानों को बताया कि जलवायु परिवर्तन के दृष्टिगत यह फसलें अत्यंत उपयोगी हो गई है। जो कि सूखा सहनशील,अधिक तापमान, कम पानी की दशा में तथा कम उपजाऊ जमीन में भी आसानी से पैदा कर इनसे अच्छा उत्पादन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसानों का रुझान मोटे अनाजों के उत्पादन की तरफ हो रहा है। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ एके सिंह ने कृषकों को बताया कि मोटे अनाजों में अन्य फसलों की अपेक्षा कीट एवं रोग कम लगते हैं जिससे फसल लागत कम आती है।और किसानों को अच्छा मुनाफा होता है उन्होंने बताया कि मानव स्वास्थ्य की दृष्टि से मोटे अनाज काफी लाभकारी हैं इसीलिए इन्हें सुपरफूड कहा जाता है उन्होंने कहा कि मोटे अनाजों को दैनिक आहार में प्रयोग करने से मधुमेह,रक्तचाप एवं गुर्दे की समस्याओं से छुटकारा मिलता है।इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने मिलेट्स के मूल्य संवर्धन विषय पर विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर किसानों को रबी फसल के बीजों के किट वितरित किए गए।इस अवसर पर डॉ शशिकांत, डॉ राजेश राय, कषि विभाग के बीज गोदाम इंचार्ज श्री दीपक जी सहित प्रगतिशील किसान चरण सिंह, चुन्ना सिंह राजू राजपूत एवं माया देवी सहित आसपास क्षेत्र के 1 सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

कृषक प्रशिक्षण : मोटे अनाजों 'मिलेट्स' की खेती पर दिया बल

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा आज गांव रायपुर में किसानों को एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण में श्रीअन्न (मोटे अनाजों) की उत्पादन तकनीकी की बारीकियों को बताया गया। इस अवसर पर केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कृषकों को बताया कि देश में पैदा की जाने वाली मुख्य मिलेट्स फसलों में ज्वार,बाजरा और रागी का स्थान आता है।जबकि छोटी मिलेट्स फसलों में कोदों,कुटकी,सावां आदि की खेती की जाती है। उन्होंने किसानों को बताया कि जलवायु परिवर्तन के दृष्टिगत यह फसलें अत्यंत उपयोगी हो गई है। जो कि सूखा सहनशील,अधिक तापमान, कम पानी की दशा में तथा कम उपजाऊ जमीन में भी आसानी से पैदा कर इनसे अच्छा उत्पादन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसानों का रुझान मोटे अनाजों के उत्पादन की तरफ हो रहा है। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ एके सिंह ने कृषकों को बताया कि मोटे अनाजों में अन्य फसलों की अपेक्षा कीट एवं रोग कम लगते हैं जिससे फसल लागत कम आती है।और किसानों को अच्छा मुनाफा होता है उन्होंने बताया कि मानव स्वास्थ्य की दृष्टि से मोटे अनाज काफी लाभकारी हैं इसीलिए इन्हें सुपरफूड कहा जाता है उन्होंने कहा कि मोटे अनाजों को दैनिक आहार में प्रयोग करने से मधुमेह, रक्त चाप एवं गुर्दे की समस्याओं से छुटकारा मिलता है। इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने मिलेट्स के मूल्य संवर्धन विषय पर विस्तार से जानकारी दी।इस अवसर पर डॉ शशिकांत, डॉ राजेश राय, प्रगतिशील किसान चरण सिंह, चुन्ना सिंह राजू राजपूत एवं माया देवी सहित आसपास क्षेत्र के 1 सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

कृषक प्रशिक्षण में मोटे अनाजों की खेती पर दिया गया बल

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा आज गांव रायपुर में किसानों को एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण में श्रीअन्न (मोटे अनाजों) की उत्पादन तकनीकी की बारीकियों को बताया गया। इस अवसर पर केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कृषकों को बताया कि देश में पैदा की जाने वाली मुख्य मिलेट्स फसलों में ज्वार,बाजरा और रागी का स्थान आता है।जबकि छोटी मिलेट्स फसलों में कोदों,कुटकी,सावां आदि की खेती की जाती है। उन्होंने किसानों को बताया कि जलवायु परिवर्तन के दृष्टिगत यह फसलें अत्यंत उपयोगी हो गई है। जो कि सूखा सहनशील,अधिक तापमान, कम पानी की दशा में तथा कम उपजाऊ जमीन में भी आसानी से पैदा कर इनसे अच्छा उत्पादन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसानों का रुझान मोटे अनाजों के उत्पादन की तरफ हो रहा है। इस अवसर पर केंद्र के

प्रभारी डॉ एके सिंह ने कृषकों को बताया कि मोटे अनाजों में अन्य फसलों की अपेक्षा कीट एवं रोग कम लगते हैं जिससे फसल लागत कम आती है

।और किसानों को अच्छा मुनाफा होता है उन्होंने बताया कि मानव स्वास्थ्य की दृष्टि से मोटे अनाज काफी लाभकारी हैं इसीलिए इन्हें सुपरफूड कहा जाता है उन्होंने कहा कि मोटे अनाजों को दैनिक आहार में प्रयोग करने से मधुमेह,रक्तचाप एवं गुर्दे की समस्याओं से छुटकारा मिलता है।इस अवसर पर गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने मिलेट्स के मूल्य संवर्धन विषय पर विस्तार से जानकारी दी।इस अवसर पर डॉ शशिकांत, डॉ राजेश राय, प्रगतिशील किसान चरण सिंह, चुन्ना सिंह राजू राजपूत एवं माया देवी सहित आसपास क्षेत्र के 1 सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

कांग्रेस सुधरी नहीं तो देश से साफ हो... 12

नगर निकाय चुनाव : नगर पालिका परिषद मीरजापुर... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 179
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
बुधवार | 12 अप्रैल, 2023

किसानों को मोटे अनाज के उत्पादन के बारे में कृषि वैज्ञानिकों ने किया जागरूक

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा बीते दिन मंगलवार को गांव रायपुर में किसानों को एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण में श्रीअन्न (मोटे अनाजों) की उत्पादन तकनीकी की बारीकियों के बारे मे जानकारी दी गई। इस अवसर पर केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने किसानों को बताया कि देश में पैदा की जाने वाली प्रमुख मिलेट्स फसलों में ज्वार, बाजरा और रागी का स्थान आता है जबकि छोटी मिलेट्स फसलों में कोदों, कुटकी, सावां आदि की खेती की जाती है। उन्होंने किसानों को बताया कि जलवायु परिवर्तन को देखते हुए यह फसलें अत्यंत उपयोगी हो गई है क्योंकि सूखा सहनशील, अधिक तापमान, कम पानी की दशा में तथा कम उपजाऊ जमीन में भी आसानी से पैदा कर इनसे अच्छा उत्पादन किया जा सकता है। उन्होंने

कहा कि किसानों का रुझान मोटे अनाजों के उत्पादन की तरफ हो रहा है।

इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ.ए.के.सिंह ने किसानों को बताया कि मोटे अनाजों में अन्य फसलों की अपेक्षा कीट एवं रोग कम लगते हैं जिससे फसल लागत कम आती है और किसानों को अच्छा मुनाफा होता है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम मे डॉ शशिकांत, डॉ राजेश राय, कृषि विभाग के बीज गोदाम इंचार्ज दीपक सहित प्रगतिशील किसान चरण सिंह, चुन्ना सिंह राजू राजपूत एवं माया देवी आदि मौजूद रहे।

दैनिक जागरण कानपुर 12/04/2023

सीएसए ने शुरू किया श्रीअन्न का बीज वितरण

जासं, कानपुर : सीएसए ने रबी सीजन में श्रीअन्न की खेती के लिए किसानों को बीज वितरण की शुरुआत कर दी है। मंगलवार को 25 किसानों को रागी के बीज का वितरण किया गया। किसानों को कृषि विज्ञानियों ने बताया कि श्रीअन्न की पूरी दुनिया में मांग बढ़ रही है। इसका फायदा किसानों को उठाना चाहिए।

सीएसए के कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह के निर्देश पर कृषि विज्ञानियों ने मंगलवार को कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर से जुड़े गांव रायपुर के किसानों को रागी बीज का वितरण किया है। मृदा विज्ञानी डा. खलील खान, केंद्र प्रभारी डा. एके सिंह ने बताया कि मोटे अनाजों में अन्य फसलों की अपेक्षा कीट एवं रोग कम लगते हैं।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • बुधवार • 12 अप्रैल • 2023

कृषक प्रशिक्षण में मोटे अनाजों की खेती पर जोर

ुर (एसएनबी)। सीएसए
एवं प्रौद्योगिकी विवि से संवद्ध
विज्ञान केन्द्र दलीपनगर के
धान में रायपुर गांव में आयोजित
प्रशिक्षण कार्यक्रम में मोटे
ों की खेती पर जोर दिया गया।
गया कि इससे किसानों को
लाभ होगा। मानव स्वास्थ्य की
से भी मोटे अनाज का सेवन
लाभकारी है। इसलिए इन्हें
ूड भी कहा जाता है। इस
र पर किसानों के वीच रागी
रवी फसल के वीजों के किट भी
त किये गये।
किसानों को मोटे अनाजों
न्न) की उत्पादन तकनीकी की
ठ्यों से अवगत कराया गया।
के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील
। वताया कि देश में पैदा की जाने
मुख्य मिलेट्स फसलों में ज्वार,
व रागी का स्थान आता है।
अलावा छोटी मिलेट्स फसलों
ों, कुटकी, सावां आदि की खेती
ाती है। उन्होंने किसानों को

वितरित किये गये रागी व रबी फसल के बीज

सीएसए कृषि विज्ञान केंद्र के कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम में मोटे अनाजों की खेती को लेकर जानकारी देते विषय विशेषज्ञ।

वताया कि जलवायु परिवर्तन के दृष्टिगत यह फसलें अत्यंत उपयोगी हो गई हैं। सूखा सहनशील इन फसलों को अधिक तापमान, कम पानी की दशा में तथा कम उपजाऊ जमीन में भी आसानी से पैदा करके अच्छा उत्पादन पाया जा सकता है।

केन्द्र के प्रभारी डॉ. एके सिंह ने कृषकों को वताया कि मोटे अनाजों में अन्य फसलों की अपेक्षा कीट एवं रोग भी कम लगते हैं। इससे फसल लागत कम आती है व किसानों को अच्छा मुनाफा होता है। उन्होंने कहा कि मोटे अनाजों को दैनिक आहार में प्रयोग करने से मधुमेह, रक्तचाप, एवं गुर्दे की समस्याओं से छुटकारा मिलता है। गृह वैज्ञानिक डॉ. निमिषा अवस्थी ने मिलेट्स के मूल्य संवर्धन विषय पर विस्तार से जानकारी दी। डॉ. शशिकांत, डॉ. राजेश राय, दीपक के अलावा प्रगतिशील किसान चरण सिंह, चुन्ना सिंह, राजू राजपूत, माया देवी सहित वड़ी संख्या में किसानों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

कृषक को दिया गया मोटे अनाजों की खेती का प्रशिक्षण, बांटे गये रागी फसल के बीज

कानपुर, 11 अप्रैल। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की ओर से गांव रायपुर में किसानों को एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण में श्रीअन्न (मोटे अनाजों) की उत्पादन तकनीकी की बारीकियों को बताया गया। इस अवसर पर केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कृषकों को बताया कि देश में पैदा की जाने वाली मुख्य मिलेट्स फसलों में ज्वार,बाजरा और रागी का स्थान आता है।जबकि छोटी मिलेट्स फसलों में कोदों, कुटकी, सावां आदि की खेती की जाती है। उन्होंने किसानों को बताया कि जलवायु परिवर्तन के दृष्टिगत यह फसलें अत्यंत उपयोगी हो गई है। जो कि सूखा सहनशील, अधिक तापमान, कम पानी की दशा में तथा कम उपजाऊ जमीन में भी आसानी से पैदा कर इनसे अज्छा उत्पादन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसानों का रुझान मोटे अनाजों के उत्पादन की तरफ हो रहा है। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ एके सिंह ने कृषकों को बताया कि मोटे अनाजों में अन्य फसलों की अपेक्षा कीट एवं रोग कम लगते हैं जिससे फसल लागत कम आती है और किसानों को अज्छा मुनाफा होता है उन्होंने बताया कि मानव स्वास्थ्य की दृष्टि से मोटे अनाज काफी लाभकारी हैं इसीलिए इन्हें सुपरफूड कहा जाता है। उन्होंने कहा कि मोटे अनाजों को दैनिक आहार में प्रयोग करने से मधुमेह, रक्तचाप एवं गुर्दे की समस्याओं से छुटकारा मिलता है। गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने मिलेट्स के मूल्य संवर्धन विषय पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में किसानों को रबी फसल के बीजों के किट वितरित किए गए। इस अवसर पर डॉ शशिकांत, डॉ राजेश राय, कृषि विभाग के बीज गोदाम इंचार्ज दीपक जी सहित प्रगतिशील किसान चरण सिंह, चुन्ना सिंह राजू राजपूत एवं माया देवी सहित आसपास क्षेत्र के एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

महिलाओं को फसल के बीज देते किसान।

मोटे अनाजों को दैनिक आहार में इस्तेमाल करने से दूर रहता है मधुमेह, रक्तचाप एवं गुर्दे की समस्याएं